नैक (NAAC) द्वारा 'A' ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना के अंतर्गत

सांस्कृतिक कार्यक्रम में महाराष्ट्र, ओडिशा के गीत, संगीत, नृत्य ने समां बांधा

वर्धा, दि. 25 जनवरी 2020 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना के अंतर्गत संचालित विद्यार्थी अंतरण(अदला-बदली)कार्यक्रम के

तहत शनिवार, 24 जनवरी को महाराष्ट्र और ओडिशा के पारंपरिक गीत, संगीत, नृत्य और

नाटिका के माध्यम से विद्यार्थियों ने दोनों राज्यों की सांस्कृतिक पहचान को प्रस्तुत किया।

समारोह का उदघाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने दीप प्रज्ज्वलन

कर किया। समारोह में मुख्य रूप से विश्वविद्यालय की कार्य परिषद की सदस्या प्रो. कुसुमलता केडिया,प्रतिकुलपति द्वय प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल,प्रो.चंद्रकांत रागीट,ओडिशा केंद्रीय

विश्वविद्यालय के नोडल अधिकारी डॉ. सौरभ गुप्ता, सहायक प्रोफेसर डॉ. मिनती साहू समेत अध्यापक,अधिकारी,शोधार्थी एवं विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की प्रस्तावना नोडल अधिकारी डॉ. सुशील कुमार त्रिपाठी ने रखी तथा संचालन डॉ. अप्रमेय मिश्र ने किया।

विश्वविद्यालय के वाचस्पति संकुल के प्रांगण में महाराष्ट्र की पारंपरिक दिंडी और जय हरी विठ्ठल गीत के साथ इस समारोह का प्रारंभ किया गया।

तीन घंटे से भी अधिक समय तक चले इस कार्यक्रम में ओडिशा के विद्यार्थियों ने संबलपुरी, ढिमसा नृत्य तथा मूक अभिनय एवं नाटिका के माध्यम से अपने राज्य की सांस्कृतिक पहचान का परिचय कराया। महाराष्ट्र राज्य की लोक-सांस्कृतिक परंपरा को हिंदी विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने गीत, संगीत,नृत्य और वेशभूषा आदि के माध्यम से प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों ने भारुड, पोवाड़ा, गोंधळ, अभंग, लावणी, गोंडी नृत्य प्रस्तुत कर समां बांधा। 40 से अधिक विद्यार्थियों ने छत्रपति शिवाजी महाराज एवं संभाजी महाराज पर गीतों के माध्यम उनकी शौर्य गाथा को प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय की छात्राओं ने ओडिशा का संबलपुरी नृत्य प्रस्तुत कर दोनों राज्यों की मिली-जुली संस्कृतियों का परिचय कराया। विद्यार्थियों ने एक भारत श्रेष्ठ भारत की प्रस्तुति से समस्त भारत के विभिन्न प्रांतों के परिधान और वेशभूषा का परिचय कराया। विदित हो कि भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय की एक भारत श्रेष्ठ भारत योजना के अंतर्गत ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट के 54 विद्यार्थी तथा शिक्षक 19 जनवरी से विश्वविद्यालय आए थे। उनके आगमन पर विभिन्न आयोजनों के माध्यम से उन्हें महाराष्ट्र की भाषा, नृत्य, संगीत, तीज-त्योहार, वेशभूषा, खान-पान आदि का परिचय कराया गया।

हिंदी विश्वविद्यालयात एक भारत श्रेष्ठ भारत योजने अंतर्गत
महाराष्ट्र, ओडिशा राज्यांतील गीत, संगीत, नृत्यांचे सादरीकरण
टाळ मृदंगाचा नाद, दिंडीने सोहळयाची सुरूवात
जय हरी विठ्ठलच्या गजराने दुमदुमला परिसर

वर्धा, दि. 25 जानेवारी 2020 : महात्मा गांधी आंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयात एक भारत श्रेष्ठ भारत योजने अंतर्गत संचालित विद्यार्थी अंतरण (अदला-बदली)कार्यक्रमानिमित्त शनिवार, 24 रोजी महाराष्ट्र आणि ओडिशा राज्यातील गीत, संगीत, नृत्य आणि नाटिकांमधून उभय राज्याच्या सांस्कृतिक ठेव्याचा परिचय घडविला. टाळ आणि मृदंगाच्या नादाने निघालेली दिंडी व हरी विठ्ठलच्या गजराने विश्वविद्यालयाचा परिसर दुमदुमून गेला होता. कार्यक्रमाचे उदघाटन कुलगुरु प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल यांनी दीप प्रज्ज्वलन करुन केले.यावेळी परिषदेच्या सदस्या प्रो. कुसुमलता केडिया, प्रकुलगुरु द्वय प्रो. हनुमानप्रसाद शुक्ल, प्रो. चंद्रकांत रागीट,ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालयाचे नोडल अधिकारी डॉ. सौरभ गुप्ता, सहायक प्रोफेसर डॉ. मिनती साहू यांच्यासह कर्मचारी आणि विद्यार्थी मोठया संख्येने उपस्थित होते.

कार्यक्रमाचे प्रास्ताविक नोडल अधिकारी डॉ. सुशील कुमार त्रिपाठी यांनी केले तर संचालन डॉ. अप्रमेय मिश्र यांनी केले. कार्यक्रमात ओडिशातून आलेल्या विद्यार्थ्यांनी संबलपुरी, ढिमसा नृत्य तथा मूक अभिनय व नाटिका सादर करत राज्याच्या संस्कृतीचा परिचय घडविला. महाराष्ट्र राज्याच्या लोक-सांस्कृतिक परंपरेला हिंदी विश्वविद्यालयातील विद्यार्थ्यांनी गीत, संगीत, वेशभूषा या माध्यमातून सादर केले. विद्यार्थ्यांनी भारुड, पोवाड़ा, गोंधळ, अभंग, लावणी, गोंडी नृत्य सादर करुन उपस्थितांची मने जिंकली. 40 हून अधिक विद्यार्थ्यांनी छत्रपति शिवाजी महाराज आणि संभाजी महाराजांची वीर गाथा गीत आणि नृत्यातून सादर करत ऐतिहासिक दृश्य उभे केले. विश्वविद्यालयातील विद्यार्थीनींनी ओडिशातील पारंपरिक संबलपुरी नृत्य सादर केले. विद्यार्थ्यांनी एक भारत श्रेष्ठ भारत सादर करत महाराष्ट्रातील विविध राज्यातील परिधान आणि वेशभूषा यांचे सादरीकरण केले. भारत सरकारच्या मानव संसाधन विकास मंत्रालयाच्या एक भारत श्रेष्ठ भारत योजने अंतर्गत ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट येथील 54 विद्यार्थी व शिक्षक 19 जानेवारीपासून विश्वविद्यालयात आले होते. त्यांना महाराष्ट्राची भाषा, नृत्य, संगीत, सण-उत्सव, वेशभूषा, खाण-पाण यांचा परिचय करवून देण्यात आला.

माननीय संपादक/संवाददाता महोदय,
कृपया संलग्न समाचार को प्रकाशित कर अनुगृहीत करें।
धन्यवाद।